इंडियन फुटबॉल वज़िन 2047

प्रलिमि्स के लयि:

अखलि भारतीय फुटबॉल महासंघ, फीफा।

मेन्स के लयि:

इंडयिन फुटबाल वज़िन 2047

चर्चा में क्यों?

अखलि भारतीय फुटबॉल महासंघ ने **'वज़िन 2047'** के साथ अपने रणनीतकि रोडमैप का अनावरण कयिा है और उम्मीद है कि देश की स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष में भारत एशयिाई फुटबॉल के क्षेत्र में एक नई शक्ति के रूप में उभरेगा।

- भारतीय फुटबॉल के सभी हतिधारकों के साथ मलिकर वकिसति इस रोडमैप में एशयिाई फुटबॉल परसिंघ औरफीफा (फेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबॉल एसोसएिशन) से भी इनपुट मांगे गए हैं।
- AIFF ने **'वज़िन 2047' को छह रणनीतकि चरणों में चार वर्ष के लयि वभिाजति** कयिा है। इनमें से पहला चरण वर्ष 2026 तक की अवधि को कवर करने की कोशशि करेगा।

भारतीय फुटबॉल वज़िन 2047:

- **राष्ट्रीय फुटबॉल दर्शन:**
  - भारत का राष्ट्रीय फुटबॉल दर्शन **स्काउटगि से डेटा एकत्र करने, एक तकनीकी पाठ्यक्रम बनाने,** कोच और खलिाड़यिों के वकिास पर ध्यान केंद्रति करने तथा राष्ट्रीय टीम के लयि एक प्रतभिा पूल में तब्दील होने की उम्मीद पर आधारति होगा।
    - एक राष्ट्रीय खेल दर्शन बनाने के लयि AIFF पारसि्थतिकिी तंत्र के सभी स्तरों पर**फुटबॉल की गुणवत्ता में सुधार हेतु कोच शक्षिा कार्यक्रम** वकिसति करेगा।
    - AIFF ने 50,000 सक्रयि कोच बनाने का भी लक्ष्य रखा है, जनिमें से लगभग 4500 न्यूनतम AIFF C लाइसेंस से युक्त होने चाहयि।
  - वर्ष 2026 तक डेटा एकत्र करने और स्काउटगि सस्टिम बनाने पर ध्यान केंद्रति कयिा जाएगा। हालाँकि फुटबॉल दर्शन खोजने के लयि समग्र दृष्टकिोण समान है।
- **जीवंत फुटबॉल पारतिंत्र:**
  - **रोडमैप में भारत को एशयिा में शीर्ष चार फुटबॉल देशों में शामलि होने,** एशयिा में शीर्ष लीगों में से एक की मेज़बानी करने और एक जीवंत फुटबॉल पारतिंत्र बनाने की कल्पना की गई है।
- **ग्राम ग्रासरूट कार्यक्रम:**
  - AIFF का उद्देश्य पूरे भारत में **100 गाँवों में 35 मलियिन बच्चों तक पहुँचने** के लयि ग्रामीण ग्रासरूट कार्यक्रमों को लागू करना है और इसका लक्ष्य 1 मलियिन पंजीकृत खलिाड़यिों को पंजीकृत करना और 25 मलियिन बच्चों को फुटबॉल के स्कूलों के माध्यम से फुटबॉल शक्षिा प्रदान करना है।
  - उल्लेखनीय है कि ज़मीनी स्तर पर भागीदारी में भारी लैंगकि असमानता है।
- **महलिाओं की भागीदारी में वृद्धि:**
  - **वर्ष 2026 तक महलिा फुटबॉल** के लयि एक चार-स्तरीय लीग टेबल परिमडि बनाया जाएगा, जसिमें परिमडि के शीर्ष पर भारतीय महलिा लीग होगी जसिमें 10 टीमें शामलि होंगी, इसके बाद दूसरा डवीज़न होगा जसिमें 8 टीमें शामलि होंगी। AIFF ने वर्ष 2027 तक नवीन महलिा युवा संरचनाओं को लागू करने के लयि **कम-से-कम 20 राज्यों को लक्षति** कयिा है।
    - **देश में महलिा फुटबॉल का पारसि्थतिकिी तंत्र कमज़ोर** रहा है और भागीदारी एवं योग्यता बढ़ाने में मदद हेतु वशिष्टि समाधानों की आवश्यकता है, जसिमें न्यूनतम वेतन में सुधार की आवश्यकता भी शामलि है।
- **आधारभूत संरचना:**
  - AIFF नीतगित हस्तक्षेपों को लागू करके **बुनयिादी ढाँचे का वकिास करेगा** जो सरकारी अधकिारयिों, फुटबॉल टीमों/क्लबों, नगिमों और

निजी निवेशकों को बुनियादी ढाँचे में निवेश करने के लिये प्रोत्साहित करेगा।

भारत में फुटबॉल का परिदृश्य:

- **परिचय:**
  - भारत में फुटबॉल विकासशील अवस्था में है। विश्व का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश होने के बावजूद **फुटबॉल भारत में क्रिकेट और हॉकी जैसे अन्य खेलों की तरह लोकप्रिय नहीं है।**
- **चुनौतियाँ:**
  - **निवेश और बुनियादी ढाँचे की कमी** भारत में फुटबॉल के सामने मुख्य चुनौतियों में से एक है। देश में कई स्टेडियम और प्रशिक्षण सुविधाएँ खराब स्थिति में हैं तथा **प्रशिक्षित प्रशिक्षकों की कमी है।** इसकी वजह से खिलाड़ियों के लिये अपने कौशल का विकास करना एवं टीम हेतु उच्च स्तर पर प्रतिस्पर्द्धा करना मुश्किल हो जाता है।
- **क्षमता:**
  - **भारतीय राष्ट्रीय टीम ने कुछ प्रगति कर अपनी फीफा रैंकिंग में सुधार किया है। इंडियन सुपर लीग (Indian Super League-ISL)** और **I**-लीग (यह भारत में संयुक्त प्रीमियर फुटबॉल लीग है) की लोकप्रियता एवं उपस्थिति में भी वृद्धि देखी गई है और **विदेशी लीग्स में कुछ सफल भारतीय खिलाड़ी भी शामिल हो रहे हैं।**
  - कुल मिलाकर भारत में फुटबॉल के समक्ष कई चुनौतियाँ हैं, **इसके बावजूद भविष्य में सकारात्मक विकास की संभावना मौजूद है।**
  - AIFF द्वारा ज़मीनी स्तर पर सुधार, प्रशिक्षकों, रेफरी को बुनियादी ढाँचे का प्रशिक्षण और विकास तथा नए क्षेत्रों एवं स्कूलों में खेल को बढ़ावा देने के हालिया प्रयासों के परिणामस्वरूप अधिक लोगों को **इस खेल की ओर आकर्षित करने व इसकी लोकप्रियता एवं सफलता बढ़ाने में मदद मिलेगी।**

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (AIFF):

- अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (AIFF) **भारत में फुटबॉल खेल के प्रबंधन से संबंधित संगठन है।**
- यह भारत की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के संचालन का प्रबंधन करता है और कई अन्य प्रतियोगिताओं और टीमों के अलावा भारत की प्रमुख घरेलू क्लब प्रतियोगिता **I**-लीग को भी नियंत्रित करता है।
- AIFF की **स्थापना वर्ष 1937 में हुई थी** और **वर्ष 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद वर्ष 1948** में **फीफा की संबद्धता** प्राप्त की थी।
- वर्तमान में इसका कार्यालय द्वारका, नई दिल्ली में है। भारत में यह वर्ष 1954 में एशियाई फुटबॉल परिसंघ के संस्थापक सदस्यों में से एक था।

स्रोत: हिंदुस्तान टाइम्स

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/indian-football-s-vision-2047